



# Divyanshu Kumar

27 May 2006

08:00 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121099206

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 27/05/2006  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 08:00:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 07:25:12 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Gaya  
राज्य \_\_\_\_\_: Bihar  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 24:48:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 85:00:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: 00:10:00 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 08:10:00 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: 00:02:54 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 00:28:03 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:01:55 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:32:34 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:30:39 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: ग्रीष्म  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 11:44:28 वृष  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 22:39:06 मिथुन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मिथुन - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: रोहिणी - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: चन्द्र  
योग \_\_\_\_\_: सुकर्मा  
करण \_\_\_\_\_: नाग  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: सर्प  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
वर्ग \_\_\_\_\_: गरुड़  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ओ-ओमप्रकाश  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मिथुन

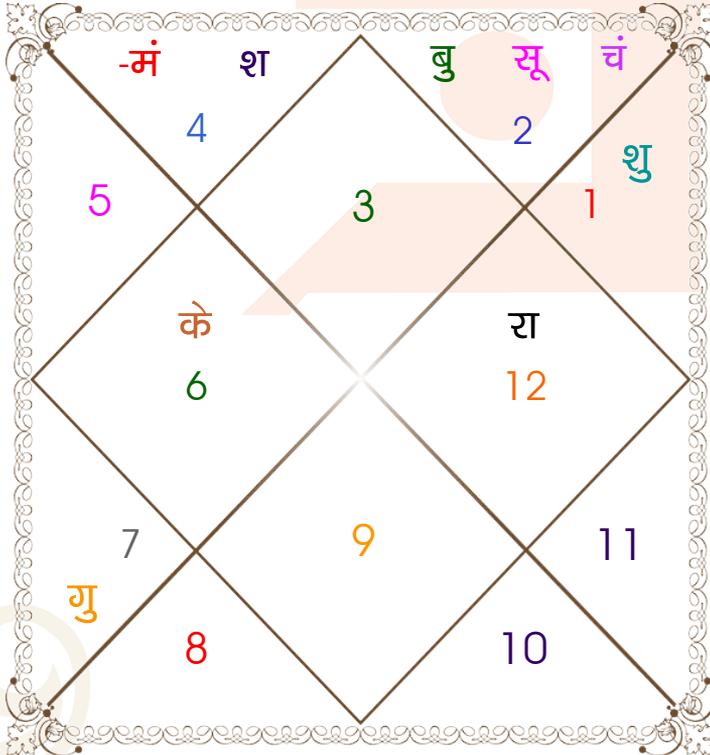
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	22:39:06	316:14:46	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			वृष	11:44:28	00:57:38	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	10:10:57	13:45:29	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	01:26:14	00:36:00	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध	अ		वृष	21:39:46	02:05:07	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	17:20:13	00:06:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	03:13:49	01:09:48	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
शनि			कर्क	12:42:07	00:04:59	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	08:26:51	00:10:00	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	08:26:51	00:10:00	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:33:56	00:01:07	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:51:56	00:00:09	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	02:00:16	00:01:27	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	13:41:29	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	राहु	--

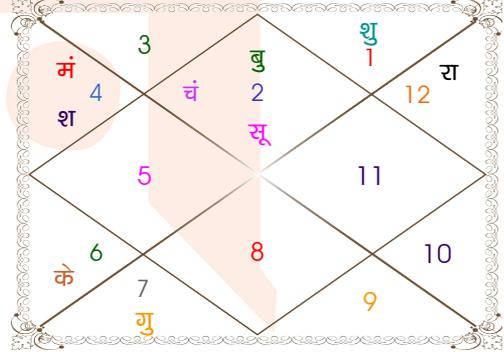
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:46

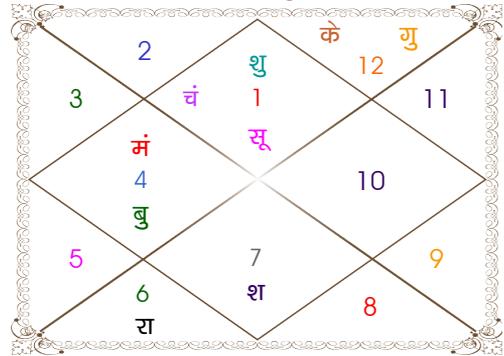
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 10 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
27/05/2006	06/04/2016	07/04/2023	07/04/2041	07/04/2057
06/04/2016	07/04/2023	07/04/2041	07/04/2057	06/04/2076
चंद्र 05/02/2007	मंगल 02/09/2016	राहु 18/12/2025	गुरु 26/05/2043	शनि 09/04/2060
मंगल 06/09/2007	राहु 21/09/2017	गुरु 13/05/2028	शनि 06/12/2045	बुध 19/12/2062
राहु 07/03/2009	गुरु 28/08/2018	शनि 20/03/2031	बुध 13/03/2048	केतु 27/01/2064
गुरु 07/07/2010	शनि 07/10/2019	बुध 06/10/2033	केतु 17/02/2049	शुक्र 29/03/2067
शनि 05/02/2012	बुध 03/10/2020	केतु 25/10/2034	शुक्र 19/10/2051	सूर्य 10/03/2068
बुध 07/07/2013	केतु 01/03/2021	शुक्र 24/10/2037	सूर्य 06/08/2052	चंद्र 09/10/2069
केतु 05/02/2014	शुक्र 01/05/2022	सूर्य 18/09/2038	चंद्र 06/12/2053	मंगल 18/11/2070
शुक्र 07/10/2015	सूर्य 06/09/2022	चंद्र 19/03/2040	मंगल 12/11/2054	राहु 24/09/2073
सूर्य 06/04/2016	चंद्र 07/04/2023	मंगल 07/04/2041	राहु 07/04/2057	गुरु 06/04/2076

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
06/04/2076	07/04/2093	07/04/2100	07/04/2120	08/04/2126
07/04/2093	07/04/2100	07/04/2120	08/04/2126	00/00/0000
बुध 03/09/2078	केतु 03/09/2093	शुक्र 08/08/2103	सूर्य 26/07/2120	चंद्र 28/05/2126
केतु 31/08/2079	शुक्र 03/11/2094	सूर्य 07/08/2104	चंद्र 25/01/2121	00/00/0000
शुक्र 01/07/2082	सूर्य 11/03/2095	चंद्र 08/04/2106	मंगल 01/06/2121	00/00/0000
सूर्य 08/05/2083	चंद्र 10/10/2095	मंगल 08/06/2107	राहु 26/04/2122	00/00/0000
चंद्र 06/10/2084	मंगल 07/03/2096	राहु 08/06/2110	गुरु 12/02/2123	00/00/0000
मंगल 03/10/2085	राहु 25/03/2097	गुरु 06/02/2113	शनि 25/01/2124	00/00/0000
राहु 22/04/2088	गुरु 01/03/2098	शनि 07/04/2116	बुध 01/12/2124	00/00/0000
गुरु 28/07/2090	शनि 10/04/2099	बुध 06/02/2119	केतु 08/04/2125	00/00/0000
शनि 07/04/2093	बुध 07/04/2100	केतु 07/04/2120	शुक्र 08/04/2126	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णिम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नहीं है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभान्वित प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई भीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रयाप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं

परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृत्ति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्याग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक हैं परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

